INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD)
© 2026 IJNRD | Volume 11, Issue 2, February 2026 | ISSN: 2456-4184 | IJNRD.ORG

भाषा कौशल से रोजगार की संभावनाएँ

डॉ. अशोक मुरलीधर घोरपडे
सहयोगी प्राध्यापक, हिंदी विभाग,
अहमदनगर कॉलेज, अहिल्यानगर,
महाराष्ट्र-414001
Email- ashokmghorpade@gmail.com

सार :
21वीं सदी में तकनीकी परिवर्तन तेज गति से हो रहा हैं। मानव के जीवन में भाषा संप्रेषण के लिए महत्वपूर्ण साधन है। भाषा का उपयोग सृजनात्मक एवं व्यावहारिक रूप में पाया जाता है। आज भाषा कौशल को रोजगार दृष्टि से देखा जा रहा है। भाषा कौशल का महत्व व्यवसाय, मीडिया, फिल्म, शिक्षा, अनुवाद, कंटेंट निर्माण, पर्यटन, विज्ञापन, सूचना प्रौद्योगिकी आदि जगहों पर विकसित हो रहा है। विश्व की सभी भाषाओं का महत्व बढ़ता जा रहा है। विश्व में बाजारवाद पनप रहा है, जिसमें हर व्यक्ति तथा वस्तु का मूल्य निर्माण किया जा रहा है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में हिंदी के साथ प्रादेशिक भाषाएँ विशेष स्थान प्राप्त कर रही है। भाषा के ज्ञान के साथ विशेष एवं तकनीकी ज्ञान से रोजगार तथा व्यवसाय की अनेक परतें खुलती है।

बीज शब्द – भाषा, कौशल, रोजगार, व्यवसाय, हिंदी, अनुवाद, मीडिया, विकास

प्राचीन काल से मानव निरंतर विकास करता रहा है। इस विकास में भाषा की भूमिका महत्वपूर्ण साबित होती है। सभ्यता, संस्कृति, विज्ञान एवं अध्यात्म के विकास में भाषा की विशेष भूमिका रही है। आधुनिक युग में तकनीकी का विकास हुआ, जिससे भौतिक विकास में मानव ने अभूतपूर्व प्रगति की है। शिक्षा, ज्ञान, संचार, स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग आदि में तकनीकी कौशल का महत्व है, जिससे मानव जीवन सुविधा से संपन्न हो रहा है। तकनीकी विकास के साथ विश्व सभी भाषाएँ विकसित हो रही है। भाषा विकास में रोजगार तथा व्यवसाय के विभिन्न मार्ग खुल जाते हैं। भाषा के माध्यम से निर्माण होनेवाले रोजगार के लिए विशेष कुशलता प्राप्त करना आवश्यक है। तकनीकी युग में कौशल द्वारा रोजगार की संभावना अधिक बढ़ती है। भाषा से आर्थिक विकास पाने हेतु कौशल को समझना आवश्यक है। भाषा आधारित श्रवण, वाचन, पठन, लेखन संबंधी कौशल पाए जाते हैं। रोजगार के लिए इन कौशलों को प्राप्त करना आवश्यक है। सुनना, बोलना, पढ़ना तथा लिखना एक कला के साथ सामर्थ्य भी है। सामर्थ्य को उचित दिशा, तकनीक, विषय एवं लक्ष्य के अनुसार विकसित करना आवश्यक है। भारत एक बहुभाषी देश है, जिसमें हिंदी राजभाषा है। हिंदी के साथ अंग्रेजी एवं प्रादेशिक भाषाओं का प्रयोग विविध जगहों पर पाया जाता है। यथा- पाठशाला, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, शासन, निजी संस्थाएँ, कंपनियां संचार। माध्यमों में डिजिटल प्रयोग की अधिकता है। मीडिया में भाषा के आधार पर अनेक रोजगार तथा व्यवसाय विस्तार पा रहे हैं। अपनी रुचि के अनुसार रोजगार तथा व्यवसाय का चुनाव कर सकते हैं। इस आलेख में भाषा कौशल से उत्पन्न रोजगार तथा व्यवसाय की संभावनाओं विश्लेषण एवं विवेचन किया गया है।
भाषा कौशल शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। भाषा के चारों कौशल की आवश्यकता शिक्षा क्षेत्र में काम करने वालों के लिए आवश्यक है। ज्ञान प्राप्त शिक्षक अच्छी तरह से छात्र-छात्राओं तक सही विचार पहुँच सकता है। अगर आपको अध्ययन के साथ अध्यापन में रुचि है, तो भाषा कौशल के आधार पर विषय विशेष का ज्ञान लेकर यह क्षेत्र आपके लिए खुला है। अध्यापक के साथ विद्यार्थियों के लिए भी भाषा कौशल की आवश्यकता होती है। इसी से एक विद्यार्थी अच्छा ज्ञान प्राप्त कर सकता है और जीवन में अपने उद्देश्य तक पहुँच सकता है। ज्ञान लेने तथा देने हेतु भाषा की जरूरत होती है। भाषा पर कुशलता प्राप्त व्यक्ति रोजगार के लिए सक्षम होता है। कॉर्पोरेट ट्रेनर या विशेष ज्ञान रखने वाला व्यक्ति ऑफलाइन या ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार अभिव्यक्त कर सकता है। उनके विचारों से प्रेरणा प्राप्त होती है, तो लोग सुनना पसंद करते हैं। ज्ञान, विचार या भावना को प्रस्तुत करने का ढंग प्रभावी एवं उचित हो तो ज्ञान के आधार पर आय निर्माण हो जाती है। आज शिक्षा का पारंपरिक स्वरूप परिवर्तित हो रहा है। शिक्षा में ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान निर्माण हो रहे हैं। साहित्य एवं भाषा के आधार पर अनेक व्यक्ति, संस्थाएं तथा यूट्यूब के माध्यम से ऑनलाइन व्यवसाय करते हैं।

साहित्यिक क्षेत्र में भाषा कौशल का महत्वपूर्ण स्थान है। एक लेखक बनने के लिए भाषा में कुशलता चाहिए। लेखक विविध विषय पर विचार व्यक्त करते हैं। चिंतन के बाद सृजन तक पहुँचने के लिए भाषा का सहारा लेना पड़ता है। साहित्य लेखन के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक है। भाषा एवं साहित्य के माध्यम से कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक

आदि लेखन कार्य से प्रकाशन से पैसा मिल सकता है। इसमें व्यावहारिक तथ्य यह जानना महत्वपूर्ण है कि सभी लेखकों को पैसा नहीं मिल पाता। साहित्य लेखन के लिए कुछ लेखकों को अधिक पैसा मिलता है। फिल्मों में गीत लेखन, पटकथा लेखन तथा अनुवादक हेतु पैसा मिलता है। आरआरआर फिल्म के गीत 'नाटू-नाटू' को सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत लेखन का ऑस्कर पुरस्कार गीतकार चंद्रबोस को प्राप्त हुआ है।[1] एक साहित्यिक सोच वाला व्यक्ति फिल्म में भाव, विचार एवं कल्पना प्रधान लेखन कर पाता है। इसलिए साहित्यिक रुचि रखने वालों के लिए फिल्म, विज्ञापन एवं प्रकाशक में काम करना आर्थिक दृष्टि से लाभदायक सिद्ध होता है। प्रकाशन क्षेत्र में भाषा एवं साहित्य का ज्ञान रखने वाला व्यक्ति नौकरी या व्यवसाय कर सकता है। प्रकाशन के क्षेत्र में भाषा के साथ विषय का ज्ञान होगा तो वह अधिक फायदेमंद साबित होता है।

विश्व में अनुवादक के रूप में अधिक रोजगार उपलब्ध है। सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थाओं में अनुवादक की माँग निरंतर रहती है। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी अनुवादक की आवश्यकता होती है। देश-विदेश में पर्यटन का अधिक प्रचलन बढ़ रहा है। दुनिया में भाषा अधिक होने के कारण अनुवादक की आवश्यकता होती है। अनुवादक के लिए में मीडिया, तकनीकी, इंटरनेट, एआई, फ्रीलांसिंग में बेहद रोजगार उपलब्ध है। सरकारी स्तर पर राजभाषा अधिकारी एवं अनुवादक की नियमित रूप से भर्ती की जाती रहती है। अनुवाद क्षेत्र में रोजगार दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं। बाजारवाद ने ही उपभोक्तावाद बढ़ाया है।[2] बाजार के कारण अनुवाद एक शक्तिशाली रोजगार का पर्याय बनता जा रहा है। पुस्तक, आलेख, विज्ञापन, भाषण, फिल्म, तकनीकी, स्वास्थ्य, वैज्ञानिक, कानूनी आदि विविध क्षेत्रों में अनुवादक की आवश्यकता रहती है। विविध भाषा का ज्ञान रखने वालों के लिए अनुवादक का क्षेत्र खुला है। राजनीति में नेता के लिए बोलना बहुत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए अपने विचार अन्य भाषा के लोगों तक पहुँचाने के लिए अनुवादक की आवश्यकता होती है। साक्षात्कार आदि प्रसंग पर संपर्क के लिए दुभाषिया हेतु अधिक पैसा प्राप्त हो जाता है। साक्षात्कार के समय अनेक बार तुरंत अनुवाद की आवश्यक होती है। इस तरह अनुवादक का क्षेत्र व्यापक है, किंतु इसमें रोजगार पाने के लिए दो भाषाओं के ज्ञान के साथ-साथ दोनों भाषाओं की संस्कृति का भी पता होना विशेष साबित हो जाता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब भाषा विशेषज्ञों की अधिक आवश्यकता होती है। दुभाषिया एवं डबिंग के लिए भाषा विशेषज्ञों का महत्व बढ़ रहा है। अनुवादक के रूप करियर का चुनाव किया जा सकता है, क्योंकि अनुवादक की सेवाएँ सरकारी एवं निजी स्तर पर भी ली जा रही है।

मीडिया में रोजगार के अवसर अधिक उपलब्ध हो रहे हैं। मुद्रित, श्रव्य तथा दृश्य माध्यमों में काम करने हेतु भाषा के विविध कौशल प्राप्त व्यक्ति नौकरी उपलब्ध हो जाती है। तीनों माध्यमों में भाषा के आधार पर संपादक, संवाददाता, विज्ञापन लेखन, अनुवादक, साक्षात्कारकर्ता, यूट्यूबर, पॉडकास्टर, न्यूज रीडर, ब्लॉग लेखक, स्क्रिप्ट राइटर, सोशल मीडिया मैनेजर, प्रूफरीडर, कंटेंट राइटर की आवश्यकता होती है। कोई भी व्यक्ति माध्यम के क्षेत्र में रुचि के साथ उचित व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हुए नौकरी हासिल कर सकता है। यूट्यूबर चैनल के द्वारा विज्ञापन से पैसा कमा सकते हैं। मीडिया में काम करने वालों को रोजगार के विविध पर्याय उपलब्ध है। माध्यम के विशेषज्ञ अपना स्वयं का कारोबार भी शुरू कर सकते हैं। सूत्र संचालक क्षेत्र में आज बहुत काम उपलब्ध हो रहा है। खेल, राजनीति, मनोरंजन, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक कार्यों में एक कुशल सूत्र संचालक की आवश्यकता होती है। यह कार्य कोई भी व्यक्ति कर सकता है, लेकिन उसके पास शब्द, वाक्य, कविता, गद्य, गीत आदि का उचित प्रसंगानुकूल उपयोग करने की क्षमता होनी चाहिए। यह काम ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा शहरों में अधिक मात्रा में प्राप्त होता है। भाषा एवं जन चेतना का गहरा ज्ञान रखने वाला सूत्र संचालक सफल हो सकता है।

राजनीति में भाषा कौशल का प्रयोग होता है। नेता के लिए जनता को प्रभावित करना महत्वपूर्ण कार्य होता है। अपनी विचारधारा एवं कार्य को प्रभावी ढंग से जनता के सामने प्रस्तुत करना भाषा की कला है। जनमत को अपने विचारों के अनुकूल कराना नेता का कार्य है, जो काम अपने भाषण के द्वारा संभव है। इसलिए राजनीति में सत्ता प्राप्त करने हेतु भाषा का उपयोग बेहद महत्वपूर्ण होता है। सरकार की योजनाओं एवं नीतियों को जनता तक संवाद द्वारा पहुँचाना आवश्यक होता है। इस काम के लिए भाषा ही महत्वपूर्ण कड़ी है। नेता विनम्रता से जनभाषा में संवाद करता है, तो जनता से भावनात्मक जुड़ाव बन पाता है। नेल्सन मंडेला ने कहा था, "यदि आप किसी व्यक्ति से उसकी समझ में आने वाली भाषा में बात करते हैं, तो आप उसके दिमाग से बात करते हैं। यदि आप उससे उसकी भाषा में बात करते हैं, तो आप उसके दिल से बात करते हैं।"[3] नेता अगर जनता की भाषा में बात करता है तो वह आसानी से जनमत प्राप्त कर सकता है। इसलिए भाषा कौशल के आधार पर राजनीति में स्थान निर्माण किया जा सकता है। नेता 'हम' और 'आप' के प्रयोग से जनता के साथ भावनात्मक जुड़ाव निर्माण कर सकता है। राजनेता अपने प्रभावशाली शब्दों एवं भाषा के माध्यम से जनमत को प्रभावित करते हैं। नेता बोलने के खास अंदाज से नेता अपनी विचारधारा को

सकारात्मक एवं विरोधी विचारधारा को नकारात्मक साबित कर पाते हैं। नेता द्वारा आम भाषा के प्रयोग से उनके विचार जनता तक सहज पहुँच जाते हैं।

व्यावसायिक क्षेत्र में उत्पादन महत्वपूर्ण होता है, परंतु उसे बेचना भी एक कला होती है। अपना उत्पादन बेचने के बाद भी ग्राहकों को सेवा देनी होती है। कॉल सेंटर पर भाषा का प्रभावी उपयोग होता है। ग्राहक उत्पादक के संपर्क में रहता है, इसलिए संपर्क भाषा का प्रयोग सही एवं सम्मानपूर्वक होना चाहिए। जहाँ भाषा का प्रयोग उचित किया जाता है, वहाँ बिक्री की संभावना अधिक बढ़ जाती है। यहाँ केवल भाषा के आधार पर बिक्री होती है, ऐसा नहीं हैं। उत्पादन की गुणवत्ता भी उच्च श्रेणी की होनी चाहिए। केवल उच्च श्रेणी होने से भी उत्पादन की बिक्री नहीं हो पाती, उसके लिए विज्ञापन एवं बिक्री के बाद की सुविधा महत्वपूर्ण होती है। ग्राहक के लिए वस्तु खरीदने के लिए संवाद महत्वपूर्ण होता है। इसलिए भाषा पर विशेष ध्यान रखने वाला उद्यम आगे बढ़ जाता है। इस तरह व्यवसाय में भाषा का स्थान खास बनता है। भाषा का ज्ञान रखने वाला व्यवसाय के क्षेत्र में आगे विकास कर सकता है। कई बार अपने व्यक्तिगत अनुभव होते हैं कि किसी व्यवसाय के कर्मचारी, मैनेजर और मालिक की भाषा में अंतर होता है। मानव के विचार उसके भाषा द्वारा व्यक्त होते हैं। इसलिए हमेशा हमारे विचार उच्च रखना आवश्यक है। उच्च विचार उचित शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त होते हैं, तो उसका असर ग्राहकों की संतुष्टि में परिवर्तित हो जाता है। भाषा कौशल के विकास से व्यवसाय विकसित होता है। इसलिए अनेक बड़ी कंपनियों द्वारा ग्राहकों तथा कर्मचारियों को विशेषज्ञों से भाषा कौशल संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है।

न्याय व्यवस्था में भाषा को अनन्य साधारण महत्व होता है। न्यायालय की भाषा स्पष्ट होती है। न्यायालय की भाषा में विचार को सही शब्दों एवं वाक्यों में रखा जाता है। इसी तरह स्वास्थ्य क्षेत्र में भी भाषा महत्वपूर्ण होती है। डॉक्टर की बातें वास्तविक होते हुए भी उसमें विश्वास के साथ स्पष्टता होती है। प्रबंधन क्षेत्र में भाषा का महत्व अधिक बढ़ता है। लोगों को जोड़कर रखना और उनसे काम करवाना एक कठिन कार्य होता है। सफल प्रबंधक भाषा की कुशलता से लोगों में कार्यकुशलता का निर्माण करता है। प्रबंधन में समूह में समन्वय रखने के लिए भाषा का प्रयोग कारगर साबित होता है। समूह में नेतृत्व करनेवाला व्यक्ति भाषा का सही उपयोग से समूह को एक साथ रखते हुए लक्ष्य तक पहुँचाता है। व्यवसाय में मालिक की भाषा बेहद विनम्र होती है। कारोबार में कर्मचारी की भाषा सहज, सरल एवं स्पष्ट होनी चाहिए। जिस व्यवसाय में ग्राहक अधिक होंगे वहाँ आर्थिक प्रगति भी होंगी। विज्ञापनों की भाषा संकेतपूर्ण एवं आकर्षक होती है। विज्ञापनों की भाषा ग्राहकों को अगर याद रहती है तो बिक्री की संभावना भी बढ़ती है। विज्ञापनों की भाषा पर अधिक ध्यान दिया जाता है। इस प्रकार न्यायालय, स्वास्थ्य, प्रबंधन, व्यवसाय आदि में भाषा का महत्व अधिक पाया जाता है।

उपर्युक्त सभी क्षेत्रों में विशेष ज्ञान होगा तो रोजगार की अधिक संभावनाएँ हैं। अपनी रुचि के अनुसार चयनित क्षेत्र में विशेष ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। इस ज्ञान के आधार नौकरी प्राप्त की जा सकती है। चयनित क्षेत्र का विशेष ज्ञान लोगों तक पहुँचाने के लिए भाषा कौशल आवश्यक हैं। ज्ञान प्राप्त करने के लिए मेहनत की आवश्यकता होती है। प्राप्त ज्ञान को दूसरों तक पहुँचाना एक कला है। उपर्युक्त सभी क्षेत्र में अपना ज्ञान प्रयोग करने हेतु आज तकनीकी का सहारा लेना पड़ता है। रोजगार के लिए विशेष ज्ञान, तकनीकी का प्रयोग तथा भाषा की समझ महत्वपूर्ण होती है। विचार एवं कल्पना को दूसरों तक पहुँचाने हेतु भाषा की कला आवश्यक है। तकनीकी की सहायता से काम में अधिक गतिशीलता, सूक्ष्मता, व्यापकता एवं त्रुटिहीनता निर्माण की जाती है। भाषा कौशल आधारित कार्यों के लिए कंप्यूटर, एआई, इंटरनेट, कैमेरा, एनएलपी आदि विविध साधन उपलब्ध है। इन साधनों का सही मात्रा में उपयोग किया जा सकता है। 21वीं सदी को तकनीकी युग भी कहा जा सकता है। भाषा के सभी कौशल का विकास तकनीक के बिना असंभव है। भाषा ज्ञान प्राप्त विद्यार्थियों के लिए रोजगार के विविध अवसर निर्माण होते हैं। यथा- प्रॉम्प्ट इंजीनियर, एनएलपी अनुसंधानकर्ता, कंटेंट विशेषज्ञ, हिंदी स्पीच ट्रांसक्रिप्शनिस्ट, यूएक्स डिजाइनर, वॉइस विशेषज्ञ आदि। ऑनलाइन तकनीकी ज्ञान से आप स्वयं के विविध व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। यथा- विज्ञापन, बिक्री, सूत्र संचालक, साक्षात्कारकर्ता, रचनात्मक या व्यावसायिक लेखन, कंप्यूटर संबंधी सेवाएँ। मीडिया, संपादन, प्रुफ-रीडर आदि में भी स्वयं रोजगार प्रारंभ किया जा सकता है। भाषा कौशल आधारित मोटिवेशनल स्पीकर्स बनकर लोगों को प्रभावित करते हुए अपनी आय को बढ़ा सकते हैं।

रोजगार या व्यवसाय में संचार का विशेष महत्व रहा है। संचार भाषा द्वारा संभव होता है, जिसमें विचार, भावना, सूचना, संकेत, संदेश दूसरों तक पहुँचाना होता है। यह संचार आमने-सामने, लिखित या ऑडियो-वीडियो के माध्यम से हो सकता है। नेतृत्व, सामूहिक भावना, संवाद, काम के प्रति लगाव, समय प्रबंधन आदि संबंधी विशेष कार्य करने

वालों के लिए रोजगार और व्यवसाय में वृद्धि की संभावनाएँ अधिक होती है। भाषा आधारित कार्यों में नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में सेवा भाव एवं विनम्र व्यवहार से प्रगति हासिल की जा सकती है। डॉक्टर, शिक्षक, वैज्ञानिक, नेता आदि के पास अपने विचार स्पष्टता, सरलता एवं सहज एवं प्रभावी रूप में संप्रेषित करने की कला आवश्यक है। उचित भाषा के साथ किया गया संवाद नौकरी या व्यवसाय दोनों जगहों पर लाभदायक सिद्ध होता है।

रोजगार या व्यवसाय हेतु अपने रुचि का कार्य चुनाव करना पहला आवश्यक काम है। बाद में उस चयनित काम में विशेष ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। इस विशेष ज्ञान को आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए प्रस्तुत करना युग की आवश्यकता बन गई है। वैश्वीकरण में रोजगार तथा व्यवसाय में विविध क्षेत्रों का नुकसान हुआ होगा, किंतु अनेक नए रोजगार एवं व्यवसाय भी निर्माण हुए हैं। इस नए विषय, नई तकनीक एवं नई जगहों पर काम करने के लिए आवश्यक मानसिक तैयारी महत्वपूर्ण होती है। भाषा आधारित विशेष ज्ञान प्राप्त करते हुए तकनीकी के साथ लाखों रोजगार उपलब्ध हैं। नौकरी या व्यवसाय दानों जगहों पर भाषा कौशल आवश्यक होते हैं। भाषा कौशल आपकी मेहनत तथा दृष्टि के अनुसार विकसित होते हैं। अतः कहा जा सकता है कि 21 वीं सदी में भाषा कौशल आधारित रोजगार हेतु हिंदी के साथ भारतीय भाषाओं में अपार संभावनाएँ हैं। भाषा कौशल में तकनीकी तथा व्यावसायिक ज्ञान द्वारा रोजगार का निर्माण हो सकता है। भूमंडलीकरण और बाजारवाद के इस युग में आर्थिक विकास हेतु नवयुवक नौकरी की जगह व्यवसाय में भी अपना योगदान दे सकते हैं। इस आर्थिक विकास में व्यक्तिगत, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय विकास होना आवश्यक है, जिससे यह विकास आत्मनिर्भरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

संदर्भ सूची –

---

1 https://indianexpress.com/article/explained/explained-culture/rrr-naatu-naatu-wins-best-original-song-oscars-2023-singer-composer-8493291/

2 बाजारवाद के दौर में हिन्दी, प्रो. वीरेंद्र सिंह यादव, पृष्ठ सं. 01 - https://www.csirs.org.in/uploads/paper_pdf/bazaarvaad-ke-daur-mein-hindi.pdf

3 https://stevenfulmer.com/nelson-mandela-and-the-language-of-leaders/

• **Copyright & License:**
© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.